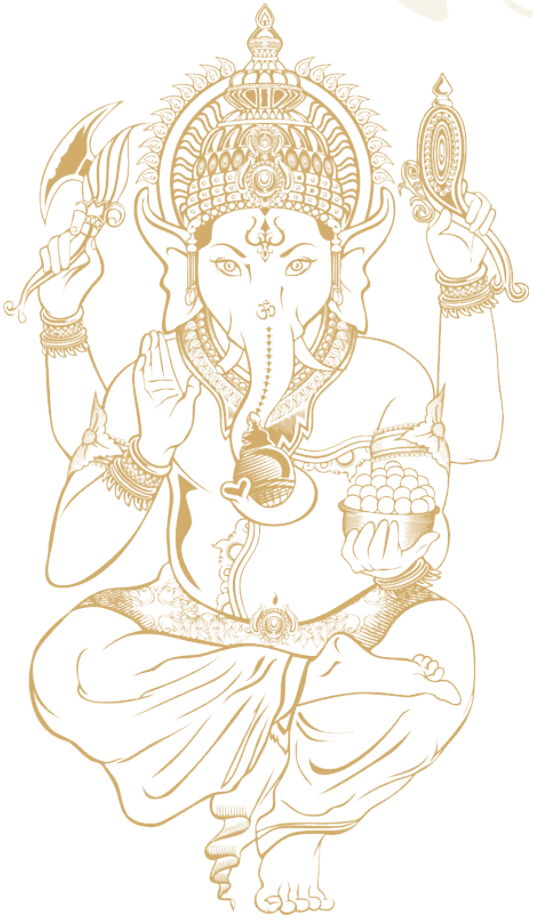

Mr. Sheets umaris

19 May 2001

11:31 AM

Umaria

Model: web-freekundliweb

Order No: 120909302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**19/05/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:31:00 घंटे**
इष्ट	15:19:00 घटी
स्थान	**Umaria**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:30:00 उत्तर
रेखांश	80:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:24:28 घंटे
वेलान्तर	00:03:33 घंटे
साम्पातिक काल	03:12:23 घंटे
सूर्योदय	05:23:24 घंटे
सूर्यास्त	18:42:55 घंटे
दिनमान	13:19:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	04:27:19 वृष
लग्न के अंश	28:09:26 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	प्रीति
करण	कौलव
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:09:26	320:32:04	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृष	04:27:19	00:57:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	17:11:34	12:34:43	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल	व		धनु	04:48:57	00:05:46	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	मित्र राशि
बुध			वृष	26:29:29	01:09:56	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	गुरु	मित्र राशि
गुरु			वृष	23:37:31	00:13:30	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	20:27:00	00:45:31	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	वृष	09:40:37	00:07:45	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	13:09:48	00:05:36	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	13:09:48	00:05:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:55:19	00:00:31	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप	व		मक	14:53:15	00:00:16	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	20:28:52	00:01:32	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	26:39:39	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:16

लग्न-चलित

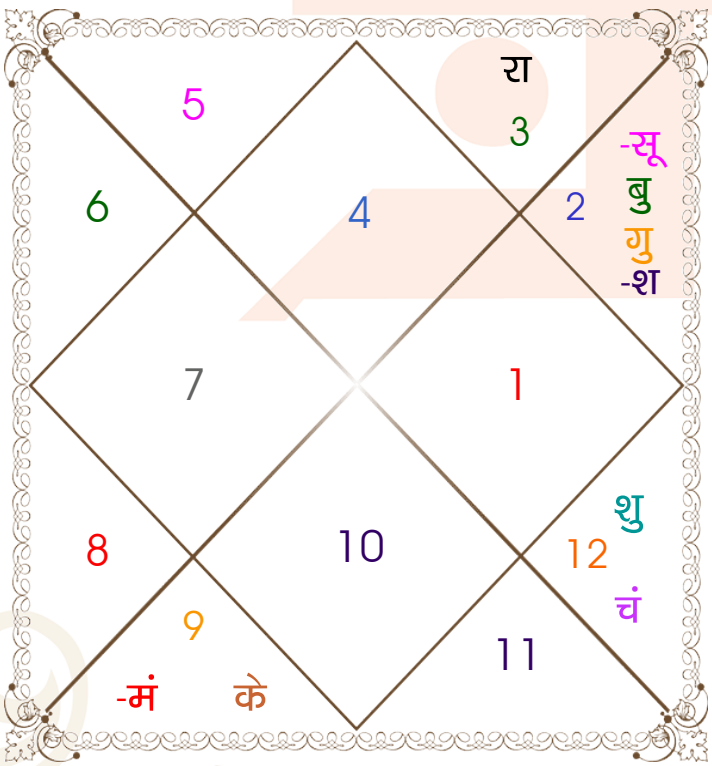

चन्द्र कुंडली

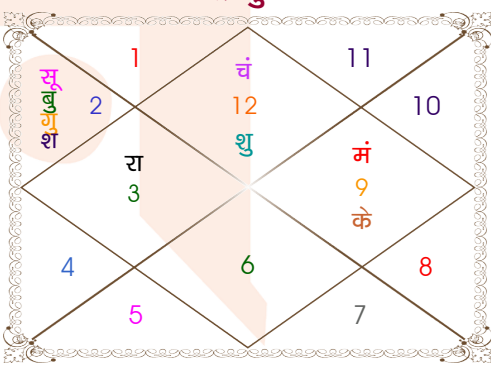

नवमांश कुंडली

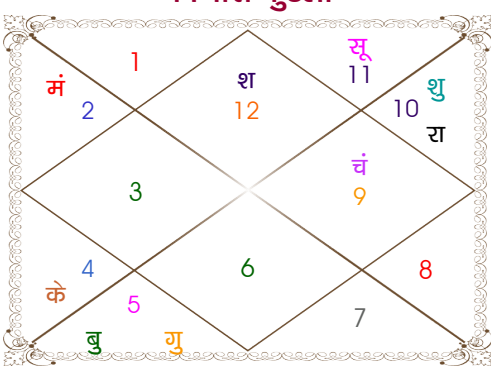

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 16 वर्ष 3 मास 28 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
19/05/2001		16/09/2017		16/09/2024		16/09/2044		17/09/2050	
16/09/2017		16/09/2024		16/09/2044		17/09/2050		16/09/2060	
बुध	13/02/2003	केतु	12/02/2018	शुक्र	17/01/2028	सूर्य	04/01/2045	चंद्र	18/07/2051
केतु	10/02/2004	शुक्र	15/04/2019	सूर्य	16/01/2029	चंद्र	05/07/2045	मंगल	16/02/2052
शुक्र	11/12/2006	सूर्य	20/08/2019	चंद्र	17/09/2030	मंगल	10/11/2045	राहु	17/08/2053
सूर्य	17/10/2007	चंद्र	20/03/2020	मंगल	17/11/2031	राहु	05/10/2046	गुरु	17/12/2054
चंद्र	18/03/2009	मंगल	17/08/2020	राहु	16/11/2034	गुरु	24/07/2047	शनि	17/07/2056
मंगल	15/03/2010	राहु	04/09/2021	गुरु	17/07/2037	शनि	05/07/2048	बुध	17/12/2057
राहु	01/10/2012	गुरु	11/08/2022	शनि	16/09/2040	बुध	11/05/2049	केतु	18/07/2058
गुरु	07/01/2015	शनि	20/09/2023	बुध	18/07/2043	केतु	16/09/2049	शुक्र	17/03/2060
शनि	16/09/2017	बुध	16/09/2024	केतु	16/09/2044	शुक्र	17/09/2050	सूर्य	16/09/2060

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/09/2060		17/09/2067		16/09/2085		17/09/2101		17/09/2120	
17/09/2067		16/09/2085		17/09/2101		17/09/2120		00/00/0000	
मंगल	12/02/2061	राहु	30/05/2070	गुरु	04/11/2087	शनि	20/09/2104	बुध	20/05/2121
राहु	03/03/2062	गुरु	23/10/2072	शनि	18/05/2090	बुध	31/05/2107		00/00/0000
गुरु	07/02/2063	शनि	29/08/2075	बुध	23/08/2092	केतु	09/07/2108		00/00/0000
शनि	17/03/2064	बुध	18/03/2078	केतु	30/07/2093	शुक्र	09/09/2111		00/00/0000
बुध	15/03/2065	केतु	05/04/2079	शुक्र	30/03/2096	सूर्य	21/08/2112		00/00/0000
केतु	11/08/2065	शुक्र	05/04/2082	सूर्य	16/01/2097	चंद्र	22/03/2114		00/00/0000
शुक्र	11/10/2066	सूर्य	28/02/2083	चंद्र	18/05/2098	मंगल	01/05/2115		00/00/0000
सूर्य	16/02/2067	चंद्र	29/08/2084	मंगल	24/04/2099	राहु	07/03/2118		00/00/0000
चंद्र	17/09/2067	मंगल	16/09/2085	राहु	17/09/2101	गुरु	17/09/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 16 वर्ष 3 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगीं यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का

समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।